सेंट्रल लाइब्रेरी के शताब्दी वर्ष पूरा होने पर मिलेगी सौगात, छात्रों के लिए 24 घंटे खुली रहेगी लाइब्रेरी

पीयू में बनेगी बिहार की पहली कैफेटेरिया लाइब्रेरी

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

पटना | अभिषेक कुमार

पीयू में बिहार के किसी विश्वविद्यालय की पहली कैफेटेरिया लाइब्रेरी बनायी जाएगी। यह सौगात छात्र-छात्राओं को सेंट्रल लाइब्रेरी के शताब्दी वर्ष के मौके पर दिया जायेगा। जानकारी के अनुसार राज्य के दूसरे किसी विश्वविद्यालय में कैफेटेरिया लाइब्रेरी नहीं है। जेएनयू और दिल्ली यूनिवर्सिटी में ऐसी लाइब्रेरी है। यह 24 घंटे खुली रहती है। पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह ने बताया कि सेंट्रल लाइब्रेरी के शताब्दी वर्ष पर राज्य सरकार की ओर से एक करोड़ 10 लाख रुपये का प्रस्ताव पास हुआ है। विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं की सुविधाओं को बढ़ाने और बेहतर एकेडमिक माहौल को स्थापित करने के लिए कैफेटेरिया लाइब्रेरी खोलने का फैसला किया है। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। डीपीआर तैयार करने का निर्देश

01 करोड़ 10 लाख रुपये का प्रस्ताव पास हुआ है

छात्रों को शिफ्ट के आधार पर मौका

कैफेटेरिया लाइब्रेरी में छात्र-छात्राओं को शिफ्ट के आधार पर मौका दिया जाएगा। छात्राओं को दिन में मौका दिया जाएगा। यह लाइब्रेरी 24 घंटे खुलेगी। इसमें एक से दो घंटे का शिफ्ट निर्धारित कर दिया जाएगा ताकि इसका उपयोग ज्यादा छात्र कर सकेंगे। जबकि सेंट्रल लाइब्रेरी अपने पूर्व निर्धारित समय पर खुलेगी और बंद होगी।

कुलपति ने बताया कि सेंट्रल लाइब्रेरी के ठीक बगल में खाली भू-भाग पर कैफेटेरिया लाइब्रेरी बनायी जाएगी। विश्वविद्यालय इंजीनियर को खाली भू-भाग दिखाकर डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में यहां 25 से 30 कंप्यूटर लगाए जाएंगे। इसके बाद इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। इससे छात्र-छात्राएं अपनी सुविधा के अनुसार कैफेटेरिया लाइब्रेरी से स्टडी मैटेरियल तैयार कर सकेंगे।

2019-7-31 | 22